तर्ज- तुझको पुकारे मेरा प्यार

हम तो हुए गुन्हेगार,अब तो माफ करो मेरे पिया जी

1- लेना था हमको झूठ के बदले सुख अखण्ड तुम्हारा
कुर्बानी में काम न आया पिंड ब्रहमाण्ड हमारा
जीती बाजी गए हार

2- दिन के उजाले में भी न पहचाने पिया जी हम तुमको
दुख खालत है ये ही धनी जी रह रह के हमको
आड़ा भया रे अहंकार

3- तुरंत जगाए वचन ये जाग्रत अपने धनी के
अचरज है झूठा तन लेकर क्यूं रूह खड़ी ये
छूटे न अंग विकार

Nijanand App